पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-डी.एल. (एन.) 05/0084/09-11

इस अंक का मूल्य 2 रुपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-110007, चलभाष : 9810117464, 9868051444

व्यायाम शिक्षक की आवश्यकता

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् फरीदाबाद को एक योग्य व्यायाम शिक्षक की आवश्यकता है जो कि वैदिक सिद्धान्तों व महर्षि दयानन्द का अनुयायी हो तथा बच्चों और किशोरों को प्रशिक्षित कर सके।

सम्पर्क करें

श्री सत्यभूषण आर्य, एडवोकेट,
51, सै.-16, फरीदाबाद-121007
मो. 9818897097

वर्ष-27 अंक-21 चैत्र-2068 दयानन्दाब्द 188 1 अप्रैल से 15 अप्रैल 2011 (प्रथम अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.

Website : www.aryayuvakparishad.com aryayouthgroup@yahoogroups.com E-mail : aryayouth@gmail.com

अमर शहीद भगतसिंह, राजगुरु, सुखदेव के 80वें बलिदान दिवस पर कृतज्ञ राष्ट्र ने दी श्रद्धाञ्जलि

आर्य समाज ने किया जन्तर-मन्तर पर प्रचण्ड प्रदर्शन

आतंकवादियों को सार्वजनिक रूप से फांसी दी जाये –आर्य नेता अनिल आर्य का आह्वान

आचार्य प्रकाशवीर शास्त्री यज्ञ करवाते हुए, साथ में माता लक्ष्मी सिन्हा, गायत्री मीना, कै. अशोक गुलाटी, धूमसिंह शास्त्री, जीवन प्रकाश शास्त्री, प्रणवीर आर्य, चन्द्रदेव शास्त्री, श्री बी.एल. शर्मा 'प्रेम', ओमवीर सिंह, स्वामी श्रद्धानन्द जी, चतरसिंह नागर व रामकुमारसिंह आर्य व द्वितीय चित्र में उद्घोष करते आर्य नेतागण

नई दिल्ली। बुधवार, 23 मार्च 2011, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् नई दिल्ली के तत्वावधान में अमर शहीद भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव के 80वें बलिदान दिवस पर जन्तर-मन्तर पर 'राष्ट्ररक्षा यज्ञ एवं आतंकवाद विरोधी सम्मेलन का आयोजन परिषद् अध्यक्ष डॉ. अनिल आर्य के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर दिल्ली व आसपास के हजारों आर्य जनों ने पहुंचकर शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित किये।

सभा को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनिल आर्य ने कहा कि समय की मांग है कि सरकार आतंकवादियों व उनके मददगारों को सख्ती से कुचले। देश की अखंडता की कीमत पर कोई समझौता नहीं हो सकता। उन्होंने इस बात पर रोष व्यक्त किया कि अभी तक आतंकवादी अफजल व कसाब को फांसी नहीं दी गई, यह दुर्भाग्यपूर्ण है।

पूर्व सांसद श्री बैकुंठलाल शर्मा 'प्रेम' ने कहा कि आज यदि भगतसिंह होते तो रो पड़ते कि क्या इसी दिन के लिए मैंने बलिदान दिया था। उन्होंने कहा कि वोटों की तुष्टिकरण की नीति एक नये पाकिस्तान को जन्म देगी।

राष्ट्रवादी सेना के प्रमुख श्री जयभगवान गोयल ने कहा कि आतंकवादियों को लाल किले कि चौक पर फांसी दी जाये जिससे देश में कानून का भय व्याप्त हो। धरने के अध्यक्ष युवा संन्यासी स्वामी श्रद्धानन्द सरस्वती ने कहा कि जब तक देश में दो आचार संहिताएं चलेंगी तब तक देश में एकता स्थापित नहीं हो सकती। हमें वोट बैंक से ऊपर उठकर पूरे राष्ट्र के बारे में सोचना होगा। वैदिक विद्वान् प्रकाशवीर शास्त्री ने यज्ञ करवाया तथा अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर आर्य प्रतिनिधि सभा उत्तर प्रदेश के कोषाध्यक्ष श्री मायाप्रकाश त्यागी, हरियाणा परिषद् के अध्यक्ष मनोहरलाल चावला, महामन्त्री वीरेन्द्र योगाचार्य, उ.प्र. परिषद् के महामन्त्री प्रवीन आर्य, नोएडा से बहन गायत्री मीना, विम्मी अरोड़ा, फरीदाबाद से आशा आर्या, डॉ. वीरपाल विद्यालंकार, पं. धूमसिंह शास्त्री, जितेन्द्र आर्य, सुरेश आर्य, रविन्द्र मेहता, देवेन्द्र भगत आदि ने सम्बोधित किया।

प्रमुख रूप से राजेश मेहंदीरत्ता, यज्ञशरण कुलश्रेष्ठ, जगदीशशरण आर्य, मकेन्द्र कुमार, प्रद्योत पाराशर, लक्ष्मी सिन्हा, कै. अशोक गुलाटी, रामकुमार सिंह आर्य, बलराज सेजवाल, मुकेश आर्य, जीवन प्रकाश शास्त्री, ब्र. जितेन्द्र आर्य सी.एल. मोहन, रमेश योगी, उषा आनन्द, लाला मेघराज आर्य, हरबंसलाल अरोड़ा, चतरसिंह नागर, गजेन्द्र चौहान, नरेन्द्र आर्य सुमन, हरिचन्द आर्य, विजय सबरवाल, ओमबीर सिंह आर्य, राजीव भाटिया, वेदप्रकाश आर्य आदि उपस्थित थे। प्रधानमंत्री व केन्द्रीय गृहमंत्री को ज्ञापन दिया गया।

जन्तर मन्तर पर मार्च करते आर्य युवक व दाएं कसाब व अफज़ल का पुतला दहन का दृश्य

युवा वर्ग अपनी शक्ति को पहचाने

–महात्मा चैतन्य मुनि

हमें इस सत्य को भी स्वीकार करना होगा कि केवल युवा वर्ग ही इस वातावरण के लिए अकेला उत्तरदायी नहीं है। युवा वर्ग में एक जोश होता है और एक ऐसी ऊर्जा होती है जो अपने आप में असीम शक्ति रखती है, मगर उसे सही दिशा नहीं मिल पा रही है। दिशा मिले भी तो कहां से? उसके आसपास का परिवेश पूर्ण रूप से दूषित हो चुका है। युवा-वर्ग देखता है कि उसके चारों ओर झूठ और भ्रष्टाचार का साम्राज्य है। प्रत्येक व्यक्ति अपने चेहरे पर आदर्शवादी मुखौटा लगा रहा है जिसके पीछे छिपे पिशाच को पहचानना बहुत कठिन है। उसे लगता है कि झूठ आकाश में उड़ रहा है और सत्य घुटनों के बल सरककर अपना दम तोड़ रहा है। धर्म और ईश्वर भी कुछ लोगों के लिए अपनी स्वार्थ-सिद्धि का हथियार बन चुका है। तथाकथित उपदेशक वर्ग भी व्यवसाय प्रमुख हो गया है। इन समस्त प्रक्रियाओं की आड़ में मानवता का दोहन किया जा रहा है...दूसरों की लाशों पर महल खड़े करना अब आम बात हो गई है। राष्ट्र के रहनुमा दोगली बातें करके वोट की फसल तैयार करने में ही व्यस्त है। अपनी संस्कृति, भाषा और वेशभूषा को अपनाने के लिए कोई तैयार नहीं है। जिस स्वतंत्र भारत की कल्पना हमारे वीर शहीदों ने की थी उसकी प्राप्ति तो दूर, हम उस ओर एक कदम भर भी नहीं बढ़ा पाये हैं। हमारे रहनुमां ही भटक गये हैं। ऐसी स्थिति में यदि युवा वर्ग प्रेरणा ले भी तो किससे? जिस परिवार का मुखिया ही भ्रष्ट हो जाये तथा अपनी परम्पराओं को ताक पर रख दे तो वह अपनी आने वाली पीढ़ी से यह अपेक्षा कैसे कर सकता है कि वह परम्पराओं का पोषक एवं रक्षक बनेगी? वोट और कुर्सी की राजनीति ने आज समूचे देश को ही खोखला करके रख दिया है। आज के नेता जब भी कोई नारा या वक्तव्य देते हैं तो वे सर्वप्रथम अपने वोट के पलड़े को देखते हैं। सामाजिक समरसता, सामूहिक विकास और राष्ट्रहित बहुत पीछे छूट गया है। प्रमुख हो गये हैं राजनैतिक स्वार्थ और समीकरण। इसलिए राष्ट्र बिखर रहा है। मत-मज़हबवाद, सम्प्रदायवाद, क्षेत्रवाद और जातिवाद परवान चढ़ रहा है। स्थिति यह है कि जो अपने स्वार्थों में डूबकर देश को रसातल में ले जा रहे हैं उनकी आवाज़ बुलंद है और जो राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए संघर्षरत है उन्हें राष्ट्रद्रोही कहा जा रहा है...उल्टी गंगा बह रही है। ऐसे में युवा वर्ग का भ्रमित हो जाना स्वाभाविक है। जब जगाने वाले ही सो रहे हैं तो किया भी क्या जा सकता है?

युवा वर्ग को इस स्थिति से स्वयं निपटना होगा तथा यह मानकर चलना होगा कि जहां मुर्गा बांग नहीं देता, प्रभात वहां भी होती है। जहां रहनुमां ही दिग्भ्रमित हो जाये, वहां भी नई राहें खोजी और बनाई जा सकती हैं। युवा वर्ग को यही करना होगा, उसे स्वयं अपना मार्ग प्रशस्त करना होगा और इसके लिए आवश्यक है कि वे अपनी छिपी हुई अपार शक्ति को उद्बुद्ध करें। इतिहास में उन्हीं लोगों के नाम अमर होते हैं जिन्होंने स्वयं अपने लिए नये रास्ते तलाशे हैं और मानवता की सेवा के लिए स्वयं को आहूत किया है। हमारे सामने अपना स्वर्णिम इतिहास और ज्ञान का अक्षय भण्डार उपलब्ध है और आज हमें इसी से दिशानिर्देश लेना होगा। इतिहास की भूलों से शिक्षा लेते हुए विजय-अभियानों से प्रेरणा लेते हुए अविरल आगे बढ़ना होगा और जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाये विश्राम का चिन्तन तक करना भी अपराध समझना होगा।

जहां कहीं भी नव-निर्माण का सूत्रपात हुआ है, युवा हाथों से ही हुआ है। प्रगति की कोंपलें युवा-स्पर्श से ही प्रस्फुटित हुई हैं। वीर शिवा, महाराणा प्रताप, झांसी की रानी, चन्द्रगुप्त तथा महामना आचार्य चाणक्य की सन्तानें विकट से विकट परिस्थितियों में राह निकालना जानती हैं। सांस्कृतिक चेतना के अग्रदूत शंकराचार्य तथा महर्षि दयानन्द जैसे पुरोधाओं के अनुयायी अपनी विरासत को सुरक्षित रखना स्वंय जानते हैं। ऐसे ही और कितने ही महापुरुषों ने अपने स्वार्थों को त्यागकर धर्म और संस्कृति की रक्षा की है। यदि युवा वर्ग ठान ले तो उनके लिए कुछ भी असंभव नहीं है। भारत मां की बेड़िया शायद ही टूट पातीं यदि युवा वर्ग ने अपने प्राणों की आहुतियां न दी होतीं। अपने अस्तित्व को मिटाकर राष्ट्र की प्रभुसत्ता को अखंडता को सुरक्षित रखने वाले वीरों का काफिला जब सरफरोशी की तमन्ना लेकर आगे बढ़ा तो स्वयं को अजेय समझने वाले अंग्रजों को अपनी दुम दबाकर भागना पड़ा और भारत मां ने स्वतंत्रता की सांस ली। सुभाष, चन्द्रशेखर, बिस्मिल, भगतसिंह आदि अनेक बलिदानी आज भी हमारे लिए किसी ज्योति-स्तंभ की तरह प्रेरणा का प्रकाश प्रवाहित कर रहे हैं। किसी भी कुरीति या कुनीति को ध्वस्त करने के लिए युवा-वर्ग की सक्रियता परम आवश्यक है।

यह एक ध्रुव सत्य है कि युवा वर्ग रूपी तूफान में ऐसी शक्ति है कि वे असंभव को संभव बनाने की क्षमता रखते हैं। इसलिए परमपिता परमात्मा ने सृष्टि का शुभारंभ भी युवाओं के द्वारा ही किया था। युवा ही थे जिन्होंने आदि सृष्टि में संघर्षों से जूझते हुए प्रारंभिक समस्त समस्याओं का समाधान किया था। आज समस्या चाहे समाज की हो, राष्ट्र की हो, चाहे विश्व की हो–इन समस्याओं का समाधान केवल युवा हाथों से ही होने वाला है। युवा वर्ग को यह मानकर चलना होगा कि यदि धरती पर स्वर्ग का निर्माण हो सकता है तो केवल और केवल उन्हीं के द्वारा हो सकता हैं आज समाज, राष्ट्र और समूचा विश्व जिस बिखराव और आतंकवाद की जंजीरों में जकड़ा जा चुका है–केवल युवा वर्ग ही इन जंजीरों को तोड़ सकने में समर्थ है। युवा वर्ग ही है जो इस विस्फोटक और विनाशकारी हवाओं में पुनः सरसता और समरसता की भावना घोल सकता है।

महादेव, सुन्दरनगर, जिला मंडी, हिमाचल

।। ओ३म् ।।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत)

आर्य समाज, टी-176-177, कबीर बस्ती, पुरानी सब्जी मण्डी, दिल्ली.110007
E-mail: aryayouth@gmail.com. Website : www.aryayuvakparishad.com.

सेवा में, _____

_____

विषयः विशाल "युवक चरित्र निर्माण शिविर" हेतु अपील व निमन्त्रण

महोदय / महोदया,

सादर नमस्ते। गत् वर्षों की भांति इस वर्ष भी आपकी प्रिय संस्था केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् युवा पीढ़ी के सर्वांगीण विकास तथा उन्हें महर्षि दयानन्द जी की विचारधारा से ओतप्रोत करने के लिए शनिवार 11 जून से रविवार 19 जून 2011 तक **"युवक चरित्र निर्माण व व्यक्तित्व विकास शिविर"** का रचनात्मक आयोजन **ऐमिटी इन्टरनेशनल स्कूल, सैक्टर-44, नोएडा, उ0प्र0** में कर रही है।

इन शिविरों के माध्यम से ही सुलझे हुए व ठोस कार्यकर्ता आर्य समाजों को मिलते हैं। हमारी हार्दिक इच्छा है कि आप अपने व अपनी आर्य समाज के युवकों को शिविर में अवश्य ही भेजें। **उद्घाटन समारोह** रविवार 12 जून को प्रातः 11 से 1.00 बजे तक होगा तथा **शिविर समापन समारोह** रविवार **19** जून को सायंः 5 बजे से 7:30 बजे तक सम्पन्न होगा। इसके साथ ही प्रतिदिन रात्रि 8.45 से 9.45 बजे तक आचार्य भानु प्रकाश शास्त्री के मधुर भजनों का कार्यक्रम भी सभी के लिए चलेगा।

अतः आप से अनुरोध है कि कृपया उपरोक्त कार्यक्रमों में अपने इष्ट मित्रों व परिवार सहित स्पैशल बसों या मैटाडोर द्वारा अधिक से अधिक संख्या में पहुंच कर आर्य युवकों का उत्साहवर्धन करें। समारोह के पश्चात दोनों दिन ऋषि लंगर का प्रबन्ध रहेगा ।

आप जानते ही हैं कि इस विशाल आयोजन में आर्य युवकों के दस दिन तक तीन समय के प्रातः राश तथा भोजन प्रबन्ध पर हजारों रूपये व्यय होगा। यह सब आपके प्रेम व सहयोग से ही पूरा होना है। अतः आपसे अनुरोध है कि राष्ट्र निर्माण के इस यज्ञ को सफल बनाने के लिए आप अपनी ओर से व्यक्तिगत, अपनी आर्य समाज या संस्था की ओर से अधिक से अधिक आर्थिक सहयोग करवाने की कृपा करें।

कम से कम..... रूपये का सहयोग तो आप अवश्य ही भिजवायें। समस्त क्रास चैक, ड्राफ्ट, मनीआर्डर **"केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् दिल्ली"** के नाम से मुख्य कार्यालय - **आर्य समाज कबीर बस्ती, पुरानी सब्जी मण्डी, दिल्ली-110007** के पते पर भिजवाने की कृपा करें।

आप ऋषि लंगर के लिए आटा, दाल, चावल, चीनी, दलिया, सब्जी, मसाले, पाउडर दूध, शुद्ध घी, रिफाइन्ड के रूप में खाद्य सामग्री भिजवा कर भी सहयोग कर सकते हैं। हमें पूरा विश्वास हे कि आप अपनी ओर से तथा अपने इष्ट मित्रों से भी अधिक से अधिक सहायता राशि भिजवाने की कृपा करेंगे।

आपके पूर्ण सहयोग की कामना के साथ

भवदीय

(डा॰ अनिल आर्य)
राष्ट्रीय अध्यक्ष
सम्पर्कः 9810117464, 9868051444

परिषद् के शिक्षक रमेश योगाचार्य सम्मानित

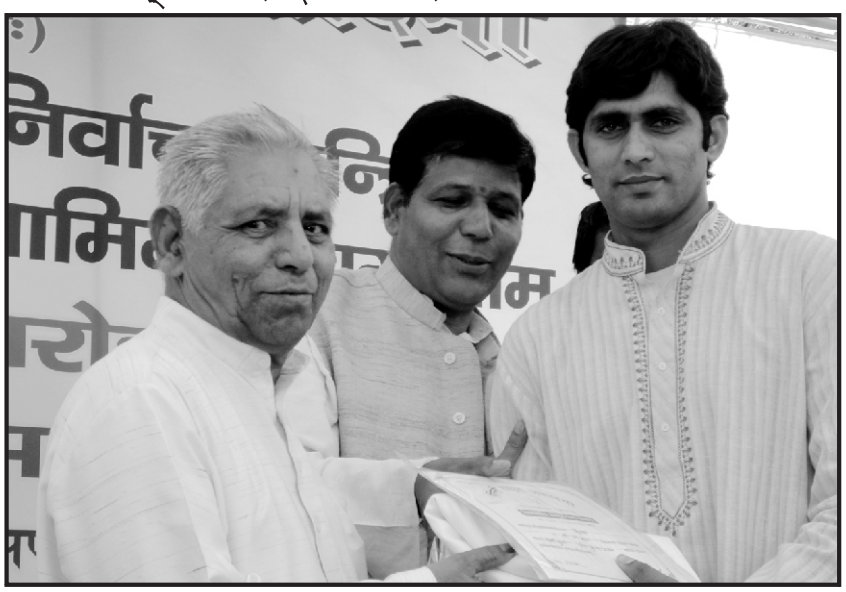

दिल्ली संस्कृत अकादमी द्वारा योग शिक्षक रमेश कुमार (नजफगढ़, दिल्ली) को श्रीधर वशिष्ठ व श्री महेश प्रसाद शिलोडी ने सम्मानित किया। परिषद् की ओर से बधाई।

केन्द्रीय आर्य युवती परिषद् दिल्ली प्रदेश के तत्वावधान में

आर्य कन्या चरित्र निर्माण शिविर

रविवार 22 मई 2011 से रविवार 29 मई 2011 तक

स्थान : आर्य समाज, रमेश नगर, नई दिल्ली-15

उद्घाटन : रविवार 22 मई 2011, प्रातः 11 बजे
समापन : रविवार 29 मई, सायं 5 से 7.30 बजे

अपनी बच्चियों को साहस, स्व-सुरक्षा एवं स्वावलम्बन की भावना से ओत-प्रोत करने के लिए अवश्य भेजें। **सम्पर्क :** 9871601122, 9899555280

–: निवेदक :–

नीता खन्ना	**प्रभा सेठी**	**अर्चना पुष्करणा**	**आदर्श सहगल**
प्रान्तीय प्रभारी	अध्यक्षा	महामन्त्री	वरिष्ठ सचिव
नरेन्द्र आर्य सुमन	**सत्यपाल नारंग**	**नरेश विज**	**कान्ता हसीजा**
प्रधान	मंत्री	शिविर प्रबंधक	प्रधाना समाज

डॉ. अमिता चौहान एवं डॉ. अशोक कुमार चौहान के सान्निध्य में

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् का ग्रीष्मकालीन अवकाश में

राष्ट्रीय शिविर

युवक चरित्र निर्माण व व्यक्तित्व विकास शिविर

दिनांक 11 जून से 19 जून 2011 तक

स्थान : ऐमिटी इंटरनेशनल स्कूल, सैक्टर-44, नोएडा, उ.प्र.

अपने बच्चों को संस्कारित करने, देशभक्त बनाने व उनके सर्वांगीण विकास हेतु शिविर में अवश्य भेजें। कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थी भाग ले सकते हैं। इच्छुक युवक 150 रुपये शिविर शुल्क सहित अपना स्थान शीघ्र आरक्षित करवा लें। सभी शिविरार्थी शनिवार, 11 जून को सायं 4 बजे पहुंच जायें। सम्पर्क सूत्र : श्री देवेन्द्र भगत, मो. 9312406810, श्री रामकुमार सिंह आर्य, मो. 9868064422, श्री दुर्गेश आर्य, मो. 9868664800, श्री प्रवीन आर्य, 9911404423

दानी महानुभावों की सेवा में अपील

शिविर एक रचनात्मक आन्दोलन है, सभी दानी महानुभाव उदारतापूर्वक सहयोग दें व ऋषि लंगर के लिए आटा, दाल, चावल, चीनी, सब्जी, मसाले, रिफाइंड, देसी घी, आदि खाद्य सामग्री देकर पुण्य के भागी बनें। समस्त क्रास चैक/ड्राफ्ट 'केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् दिल्ली' के नाम से कार्यालय, आर्यसमाज कबीर बस्ती, पुरानी सब्जी मंडी, दिल्ली-110007 के पते पर भिजवायें।

–: निवेदक :–

डॉ. अनिल आर्य राष्ट्रीय अध्यक्ष | **महेन्द्र भाई** राष्ट्रीय महामन्त्री | **धर्मपाल आर्य** राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष

अग्निहोत्री धर्मार्थ ट्रस्ट के तत्वावधान में

मूर्धन्य आर्य संन्यासी स्वामी दीक्षानन्द जी के आठवें स्मृति दिवस पर

प्रेरणा दिवस

रविवार, 15 मई 2011, सायं 4 से 7.30 बजे तक

स्थान : हिन्दी भवन सभागार, दीनदयाल उपाध्याय मार्ग, आई.टी.ओ., नई दिल्ली-110002

कार्यक्रम

ध्वजारोहण : श्री आनन्द चौहान (प्रधान, आर्य समाज, डिफेंस कॉलोनी)
अध्यक्षता : श्री रामनिवास लखोटिया (सुप्रसिद्ध समाजसेवी व टैक्स डॉक्टर)
मुख्य अतिथि : माननीय डॉ. योगानन्द शास्त्री (अध्यक्ष, दिल्ली विधानसभा)
मुख्य वक्ता : डॉ. महेश विद्यालंकार, डॉ. वागीश आचार्य, डॉ. राज बुद्धिराजा
दीप प्रज्जवलन : माननीय श्री बृजमोहन मुंजाल (चेयरमैन हीरो होंडा)
विशिष्ट अतिथि : शिक्षाविद् डॉ. अशोक कुमार चौहान, श्री योगेश मुंजाल, कै. रुद्रसेन सन्धु, डॉ. डी.के. गर्ग, दीपक भारद्वाज, नवीन रहेजा, सत्यानन्द आर्य, योगराज अरोड़ा, राजेन्द्र भटनागर
आशीर्वाद : स्वामी प्रणवानन्द सरस्वती व स्वामी धर्ममुनि जी 'दुग्धाहारी'
मधुर भजन : श्री सुचित नारंग (देहरादून), कु. सुकृति भटनागर
ऋषि लंगर : सायं 7.30 बजे
प्रबन्धक : प्रभा सेठी, यशोवीर आर्य, विश्वनाथ आर्य, शंकर देव आर्य

गुरुदेव को श्रद्धांजलि देने आप सपरिवार आमंत्रित हैं।

–: निवेदक :–

दर्शन अग्निहोत्री अध्यक्ष | **सरोज अग्निहोत्री** ट्रस्टी | **डॉ. अनिल आर्य** संयोजक | **सुनील रहेजा** स्वागताध्यक्ष

पं. गुरुदत्त विद्यार्थी व महात्मा हंसराज दिवस के उपलक्ष्य में

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् प्रस्तुत करता है

सुर और संगीत

शनिवार, 16 अप्रैल 2011, सायं 4 से 8 बजे तक

स्थान : आर्य समाज मंदिर, ए-ब्लाक, प्रशान्त विहार, दिल्ली-85

कार्यक्रम

यज्ञ : सायं 4 से 4.45 बजे तक ❀ **ब्रह्मा** : आचार्य गवेन्द्र शास्त्री जी

मुख्य यजमान

श्रीमती एवं श्री सुरेन्द्र गुप्ता, नरेन्द्र कालरा, सुरेश आर्य, अनिल मित्रा

–: गायक कलाकार :–

नरेन्द्र आर्य 'सुमन' व ऋचा व प्रिया गुलाटी

मुख्य अतिथि

श्री विजेन्द्र गुप्ता (प्रदेश अध्यक्ष, भाजपा) व श्री जयभगवान अग्रवाल (विधायक)

अध्यक्षता : श्री दुर्गाप्रसाद कालरा (प्रधान, आर्य समाज प्रशान्त विहार)
ध्वजारोहण : श्रीमती करुणा व श्री तिलक चांदना (सी.ए.) द्वारा
विशिष्ट अतिथि : डॉ. महेन्द्र नागपाल, श्री सुदेश भसीन, श्री प्रवेश वाही (पार्षदगण) सर्वश्री प्रदीप तायल, डॉ. चन्द्रकेतु, अजीत मदान, डॉ. डी.के. गर्ग, संजय अग्रवाल (सी.ए.), श्री सुनील गुप्ता, राजन अरोड़ा, राजकुमार सपरा (प्रिंस ज्वैलर्स), चन्द्रमोहन खन्ना, महेन्द्र मनचन्दा, निर्मल जावा, राजकुमार अग्रवाल
अभिनन्दन : **'आर्य श्रेष्ठी अवार्ड'** से श्री ओमप्रकाश भावल, श्रीमती पुष्पा अग्रवाल, श्री यशपाल चावला
ऋषि लंगर : रात्रि 8 बजे, माता रामदेवी चांदना के सौजन्य से

आप सपरिवार ईष्ट मित्रों सहित सादर आमन्त्रित हैं।

–: निवेदक :–

डॉ. अनिल आर्य राष्ट्रीय अध्यक्ष | **कृष्णचन्द पाहूजा** राष्ट्रीय उपाध्यक्ष | **टी.आर. मित्तल** स्वागत अध्यक्ष | **जानकीदेवी नागपाल** संरक्षक | **आशा गुप्ता** प्रधाना, समाज
महेन्द्रभाई राष्ट्रीय महामन्त्री | **यशावीर आर्य** राष्ट्रीय उपाध्यक्ष | **रामकुमार सिंह** प्रान्तीय संचालक | **विश्वनाथ आर्य** राष्ट्रीय उपाध्यक्ष | **राज ग्रोवर** मंत्रिणी समाज
दुर्गेश आर्य राष्ट्रीय मंत्री | **धर्मपाल आर्य** राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष | **संतोष शास्त्री** प्रान्तीय महामन्त्री | **देवेन्द्र भगत** प्रेस सचिव | **हंसराज डुडेजा** **सुभाष कोछड़** **उर्मिला आर्या** स्वागतमंत्री

करनाल में अफज़ल-कसाब का पुतला फूंका

बुधवार, 23 मार्च 2011, सीमापार के आतंकवादी अफज़ल गुरु और कसाब को अविलम्ब फांसी दिया जाना ही देश के शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि मानी जायेगी। इसी मांग को लेकर केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् की करनाल इकाई द्वारा कमेटी चौक पर प्रदर्शन किया गया और दोनों आतंकवादियों के पुतले फूंके गये। इस अवसर पर परिषद् के जिलाध्यक्ष स्वतंत्र कुकरेजा ने मांग उठाते हुए कहा कि अफज़ल एवं कसाब जैसे अपराधी किसी भी रूप में बख्शने के काबिल नहीं हैं। यह ऐसे लोग है जिनकी गिनती बेगुनाहों का खून बहाने वालों में आती है। इन्हीं के कारण से कई अफसरों ने जान गंवाई है। देश अपने ईमानदार अधिकारियों से वंचित हुआ है। श्री कुकरेजा ने कहा कि सरकार को अफज़ल और कसाब की फांसी के अवरोधकों को अविलंब हटाते हुए सीमापार से आने वाले आतंकवादियों को सबक सिखाना चाहिए ताकि भारत विरोधी देशों को संदेश जाये कि हिंदुस्तान की एकता और अखंडता को तोड़ने वालों का क्या हश्र होता है। उन्होंने कहा कि शहीदे-आज़म भगतसिंह, राजगुरु और सुखदेव की शहादत को चिरकाल तक याद किया जायेगा। आज के युवा वर्ग को देश पर निस्वार्थ मर मिटने वाले से प्रेरणा लेने की आवश्यकता है। आज हुए प्रदर्शन के अवसर पर परिषद् से जुड़े जो कार्यकर्ता मुख्य रूप से मौजूद रहे उनमें एडवोकेट हरीश आर्य, अजय आर्य, रोशन आर्य, हरेन्द्र चौधरी, अर्जुन देव वर्मा, सुमित शर्मा, अशोक कुमार, गगन चुघ, हरीश अरोड़ा, धीरज कालड़ा, हरविन्द्र सिंह, संतोष आर्या, शशि आर्या आदि के नाम मुख्य रूप से शामिल हैं।

स्वामी इन्द्रवेश जन्मोत्सव सौल्लास सम्पन्न

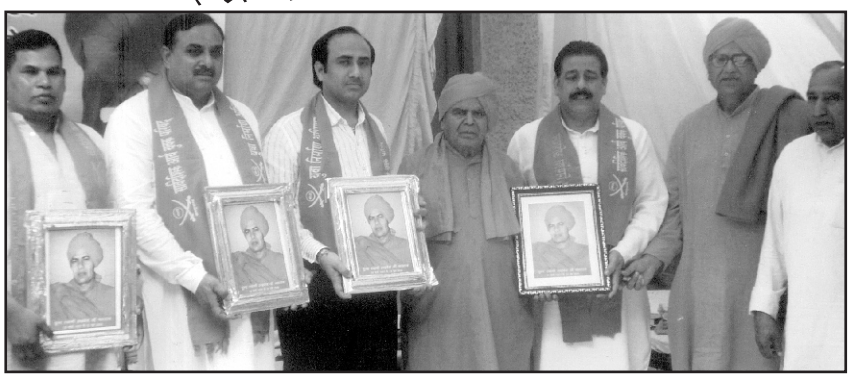

पूर्व सांसद व आर्य संन्यासी स्वामी इन्द्रवेश जी महाराज का 74वां जन्मोत्सव रोहतक के बलदेव भवन में सौल्लास मनाया गया। इस उपलक्ष्य में दिनांक 13 मार्च से 27 मार्च 2011 तक चतुर्वेद पारायण महायज्ञ का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता स्वामी आर्यवेश ने की व संचालन ब्र. दीक्षेन्द्र ने किया व यज्ञ के ब्रह्मा स्वामी चन्द्रवेश जी (गाजियाबाद) रहे। उपरोक्त चित्र में स्वामी चन्द्रवेश जी व स्वामी आर्यवेश जी दिल्ली से पधारे हुए परिषद् के अधिकारियों शिशुपाल आर्य, रामकुमार सिंह, सुरेश आर्य व अनिल आर्य को सम्मानित करते हुए

पत्रकार वरुणेन्द्र कथूरिया का अभिनन्दन

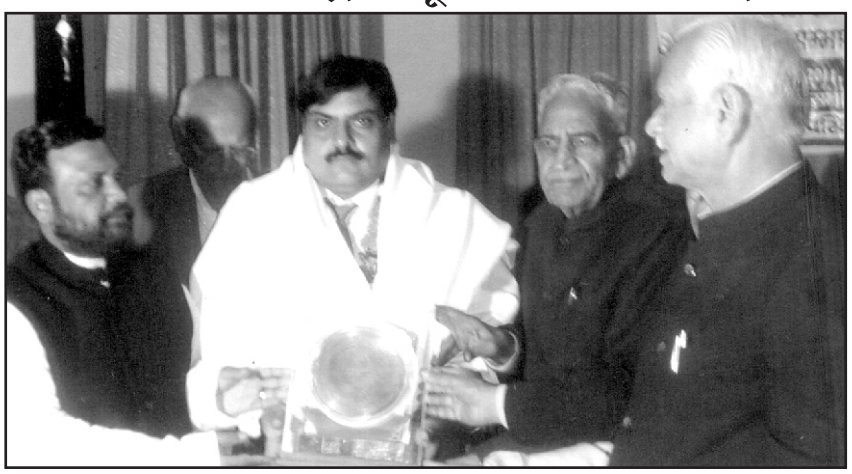

'अध्यात्म रत्न' से पत्रकार वरुणेन्द्र कथूरिया को सम्मानित करते हुए अध्याम पथ के सम्पादक आचार्य चन्द्रशेखर शास्त्री, डॉ. परमानन्द पंचाल व पार्षद यशपाल आर्य। तदर्थ युवा उद्घोष की ओर से बधाई।

डॉ. कथूरिया 'संस्कृति सम्मान' से सम्मानित

प्रख्यात साहित्यकार व लेखक प्रो. (डॉ.) सुन्दरलाल कथूरिया को संस्कृति सम्मान से सम्मानित करते हुए महापौर श्री पृथ्वीराज साहनी, श्री सुरेश चन्द्र शुक्ल (नार्वे के साहित्यकार) व स्वामी गौरांग शरण देवाचार्य (गुजरात)। अनेकों शुभकामनाएं व बधाई।

लखनऊ में आर्य युवक परिषद् का सम्मेलन

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद्, लखनऊ के तत्वावधान में 11 अप्रैल से 14 अप्रैल 2011 तक रामनवमी पर्व व स्थापना दिवस समारोह लाला रामस्वरूप इंटर कॉलेज, कानपुर रोड, लखनऊ में आयोजित किया जा रहा है। मंगलवार, 12 अप्रैल को राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनिल आर्य व आचार्य गवेन्द्र शास्त्री पधार रहे हैं।

–आचार्य राजकिशोर शास्त्री, संयोजक

आर्य समाज हापुड़ (गाजियाबाद) का स्थापना दिवस

आर्य समाज हापुड़ (गाजियाबाद) का स्थापना वर्ष 2011 पर वार्षिक समारोह दि. 8 से 12 अप्रैल 2011 को मनाया जायेगा। 9 अप्रैल को भव्य शोभा यात्रा निकाली जायेगी। प्रतिदिन प्रातः सामवेद महायज्ञ होगा, जिसके ब्रह्मा आचार्य वेद प्रकाश, पूर्व उपकुलपति, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार होंगे। युवा सम्मेलन, महिला सम्मेलन, वेद सम्मेलन, पाखंड खंडन सम्मेलन, राष्ट्र स्वाभिमान कवि सम्मेलन आयोजित किये जायेंगे, जिसमें आर्य जगत के संन्यासी, विद्वान्, नेता एवं भजनोपदेशक पधार रहे हैं। समस्त आर्य जनता से निवेदन है कि अधिक से अधिक संख्या में पधारें।

–आनन्द प्रकाश आर्य, प्रधान

आर्य महिला आश्रम की स्वर्ण जयन्ती सम्पन्न

आर्य महिला आश्रम न्यू राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली की स्वर्ण जयन्ती व वार्षिक उत्सव 24 मार्च से 27 मार्च 2011 तक सौल्लास मनाया गया। केन्द्रीय आर्य युवती परिषद् की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती प्रभा सेठी ने समारोह की अध्यक्षता की व मुख्य अतिथि वरिष्ठ केसरी क्लब की सूत्रधार श्रीमती किरण चोपड़ा थीं। मंच संचालन श्रीमती आदर्श सहगल व डॉ. सच्चिदानन्द आर्या ने किया। इस अवसर पर साध्वी उत्तमा यति, डॉ. रचना विमल दूबे, डॉ. उषा शर्मा, श्रीमती शशिप्रभा आर्या, जगदीश वधवा, श्री रामनाथ सहगल, आचार्य गवेन्द्र शास्त्री आदि ने उद्बोधन दिये। आर्य नेता अशोक सहगल, नरेन्द्र वलेचा, रमेश बग्गा, डॉ. अनिल आर्य, दिनेश आर्य, उमा बजाज, विमला ओबराय आदि भी उपस्थित थे।

समाजसेवी रमेश शर्मा सम्मानित

दिल्ली। शहीद भगतसिंह युवा संगठन के प्रधान श्री रमेश शर्मा को स्वामी दयानन्द का चित्र भेंट करते परिषद् के मध्य दिल्ली के जिला अध्यक्ष गोपाल कृष्ण जैन।

समाजसेवी सुशीला मान का निधन

दिनांक 27 मार्च 2011, गुरुकुल खेड़ाखुर्द, दिल्ली के प्रधान श्री हेमचन्द मान की धर्मपत्नी श्रीमती सुशीला मान का निधन हो गया। इस अवसर डॉ. अनिल आर्य, श्री सुखदेव तपस्वी आदि ने श्रद्धांजलि अर्पित की। संचालन श्री बलवान सिंह आर्य ने किया।

–आचार्य सुधांशु, प्राचार्य

पं. रमेशचन्द्र शास्त्री को पितृशोक

आर्य समाज, शालीमार बाग, बी.एन. पूर्वी, दिल्ली के धर्माचार्य श्री रमेशचन्द शास्त्री के पूज्य पिताश्री रामचन्द जी (आयु 90 वर्ष) का 10 मार्च 2011 को निधन हो गया। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् की ओर से विनम्र श्रद्धांजलि।

समाजसेवी श्री सुशील चौधरी को मातृशोक

लाजपत नगर दिल्ली के पूर्व विधायक श्री सुशील चौधरी की पूज्य माता श्रीमती सत्यवती चौधरी (आयु 94 वर्ष) का गत दिनों निधन हो गया। श्रद्धांजलि सभा आर्य समाज ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में शनिवार 26 मार्च 2011 को सम्पन्न हुई।

युवा उद्घोष की ओर से विनम्र श्रद्धांजलि।

सम्पादक: **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मयंक प्रिंटर्स**,2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली-5 दूरभाष : 41548504 मो. : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी-176-177, कबीर बस्ती, दिल्ली-7 से प्रकाशित, शंकरदेव आर्य, मोबाइल : 09424840057, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9910649696